खबर संक्षेप

सराफा एसोसिएशन के संभागीय सचिव राजेश सोनी बने

नारायणगंज। मध्यप्रदेश प्रानतीय सराफा एसोसिएशन 31 में को उज्जैन के लिए निर्णय के अनुसार सभी संभागों में टीम का गठन करना है जो संभागीय टीम गठित होगी उसे संभाग के सभी संगठन का सामान वह स्थापित कर व्यापार को बढ़ाने सरकारी योजनाओं की जानकारी व प्रशासनिक समस्याओं का समाधान सामान्य से करेगी इस कड़ी में जबलपुर संभाग का गठन संरक्षक झमक बरकट रतलाम प्रदेश अध्यक्ष राजा सराफ जबलपुर प्रदेश महासचिव देवीलाल जी सोनी आगर की सहमति से किया गया किसी तारतम में मंडला जिले से नारायणगंज से राजेश सोनी को संभागीय सचिव नियुक्त किया गया जिससे सभी सर्राफा एसोसिएशन के सदस्यों ने उनके नियुक्ति पर शुभकामना दी संभागीय सचिव ने सभी वरिष्ठ पदाधिकारी को धन्यवाद प्रेषित किया

विष्णु प्रसाद नामदेव का निधन

नारायणगंज। नगर के प्रतिष्ठित नागरिक एवं व्यापारी श्री विष्णु प्रसाद नामदेव का निधन हो गया है जिनका अंतिम संस्कार मुक्तिधाम में किया गया वे 81 वर्ष के थे उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होकर लोगों ने अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की।

महिला सुरक्षा, डिजिटल पुलिसिंग एवं जनमित्र पहल को मिलेगा नया विस्तार

जन सुरक्षा संकल्प के साथ अपराध पर नियंत्रण

* पुलिसिंग एवं अवैध गतिविधियों पर जीरो टॉलरेंस के निर्देश।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

दिनांक 29/06/2026 को पुलिस कंट्रोल रूम मण्डला में पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी द्वारा मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा, डिजिटल पुलिसिंग एवं जनसहयोग आधारित पुलिसिंग की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

लंबित अपराधों के शीघ्र निराकरण पर विशेष जोर

बैठक में लंबित महिला प्रकरण, गंभीर अपराध, लंबित विवेचना, लंबित चालान, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, एफएसएल रिपोर्ट, राहत प्रकरण एवं अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की गई। सभी थाना एवं चौकी प्रभारियों को समय-सीमा मे विवेचना एवं शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। महिला अपराध एवं पॉक्सो अधिनियम के मामलों का 60 दिवस के भीतर निराकरण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया।

डिजिटल बीट प्रणाली एवं तकनीक आधारित पुलिसिंग को मिलेगा नया विस्तार

पुलिस अधीक्षक ने डिजिटल बीट प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू करने, प्रत्येक बीट आरक्षक के पास बीट क्षेत्र का डिजिटल डेटा उपलब्ध रखने तथा थाना प्रभारियों को बीट आरक्षकों का नियमित प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही CCTNS, ICJS एवं NCRP पोर्टल का अधिकतम उपयोग कर शिकायतों के त्वरित निराकरण, डिजिटल चालान एवं न्यायालयों से ऑनलाइन समन्वय को और मजबूत बनाने पर जोर दिया गया।

जनमित्र पुलिसिंग एवं टीम वर्क को मजबूत बनाने के निर्देश

बीट स्तर पर जनमित्र अवधारणा, स्थानीय जनसहयोग को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रत्येक थाना प्रभारी अपने पूरे स्टाफ, विशेषकर बीट आरक्षकों को प्रत्येक अभियान एवं अपराध नियंत्रण की कार्यवाही में सक्रिय रूप से सहभागी बनाए, जिससे सूचना तंत्र और पुलिस की कार्यक्षमता दोनों सुदृढ़ हों।

महिला सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता पर विशेष फोकस

महिला एवं बाल अपराधों में संवेदनशील विवेचना तथा पूरे जिले में व्यापक साइबर जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए, जिससे प्रत्येक नागरिक साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक हो सके।

NDPS, अवैध गतिविधियों एवं सड़क सुरक्षा पर जीरो टॉलरेंस

NDPS एक्ट, जुआ-सट्टा, अवैध शराब, मादक पदार्थों के अवैध कारोबार एवं अन्य अवैध गतिविधियों पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सड़क सुरक्षा के लिए विशेष वाहन चेकिंग, हेलमेट अनिवार्यता अभियान, जनसहयोग से अधिकाधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने, नियमित गश्त, डायल-112, सामुदायिक पुलिसिंग एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई को और प्रभावी बनाने पर बल दिया गया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले थाना प्रभारियों का सम्मान

पुलिस अधीक्षक मंडला श्री राजेश रघुवंशी द्वारा थाना बीजाडांडी की थाना प्रभारी श्रीमती अनीता कुड़ापे एवं उनकी टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशंसा-पत्र प्रदान किया गया। जनसंपर्क, सीसीटीवी स्थापना, CCTNS अनुपालन, सीएम हेल्पलाइन के प्रभावी निराकरण तथा सामुदायिक पुलिसिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर यह सम्मान प्रदान किया गया।

एसडीओपी मण्डला पीयूष मिश्रा, एसडीओपी बिछिया सौरभ तिवारी, एसडीओपी नैनपुर मनीष राज सहित जिले के समस्त थाना एवं चौकी प्रभारी तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंडला में बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार की मौत

* चालक फरार, मुआवजे की मांग पर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/निवास

मंडला जिले के निवास थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। यह घटना छपरा चौराहा पर हुई। मृतक की पहचान केरीवाह निवासी 48 वर्षीय सुरेश कुमार मरावी के रूप में हुई है, जो खेती किसानी करते थे।

जानकारी के अनुसार, सुरेश कुमार मरावी चकदेही स्थित नर्मदा तट से स्नान कर अपने गांव लौट रहे थे। छपरा चौराहा के पास बोलेरो क्रमांक MP 20 ZZ 2047 ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद बोलेरो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल सुरेश कुमार को बबालिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बोलेरो क्रमांक MP 20 ZZ 2047 को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। इस हादसे से नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने जेवरा-चकदेही मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। उनकी मुख्य मांग थी कि मृतक के परिजनों को तत्काल मुआवजा दिया जाए और पोस्टमार्टम गांव में ही कराया जाए। सूचना मिलने पर तहसीलदार दिनेश वरकड़े, प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय विधायक चैन सिंह वरकड़े मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाया, जिसके बाद जाम समाप्त हुआ।

इसके उपरांत, शव को निवास अस्पताल लाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

जनजातीय कार्य विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

* डॉ. अरूण कुमार शुक्ला ने प्रभारी सहायक आयुक्त का पदभार संभाला।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग, मंत्रालय भोपाल द्वारा स्थानांतरण नीति-2026 के तहत जारी प्रशासनिक आदेश के अनुसार मण्डला जिले में जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग में सहायक आयुक्त के पद पर महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। प्रभारी सहायक आयुक्त श्रीमती वंदना गुप्ता का स्थानांतरण जबलपुर कर दिया गया है, जबकि उनकी जगह डॉ. अरूण कुमार शुक्ला को प्रभारी सहायक आयुक्त के रूप में पदस्थ किया गया है। डॉ. शुक्ला ने आज (सोमवार) को अपना पदभार ग्रहण कर लिया।

डॉ. अरूण कुमार शुक्ला मूलतः पशुपालन विभाग के अधिकारी हैं और प्रतिनियुक्ति पर जनजातीय कार्य विभाग में सेवाएं दे रहे हैं। वे इससे पूर्व जिला संयोजक, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास, सतना के पद पर कार्यरत थे। शासन ने उन्हें मण्डला जिले की जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रभारी सहायक आयुक्त के पद पर पदस्थ किया है।

विभाग में हुए इस प्रशासनिक परिवर्तन को कार्यप्रणाली में सुधार और बेहतर समन्वय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। लंबे समय से जिले की शिक्षा व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों के बीच डॉ. शुक्ला के पदभार ग्रहण करने से विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों तथा आमजन में नई उम्मीद जगी है। लोगों का मानना है कि उनके नेतृत्व में विद्यालयों की व्यवस्थाओं में सुधार होगा त था शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए प्रभावी पहल की जाएगी।

पदभार ग्रहण के अवसर पर वि भा गी य अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने डॉ. अरूण कुमार शुक्ला का स्वागत किया। इस दौरान सभी ने उनसे जिले की गिरती शिक्षा व्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा जनजातीय अंचलों में शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत बनाने की अपेक्षा व्यक्त की। शासन का यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

निवास मुख्यालय में बसपा ने संत कबीर जयंती मनाकर की संगठन समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/निवास

निवास मुख्यालय में बसपा विधानसभा संगठन द्वारा समता करुणा व भाईचारा के पेरोकार संत सिरोमणी कबीर जयंती मनाई गई।

उक्त कार्यक्रम में सर्वप्रथम कबीर साहेब के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया, तत्पश्चात जबलपुर रीवा जोन के प्रभारी शरण चौधरी ने संगठन के पदाधकारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि आगामी चुनावों के मद्देनजर सभी जिम्मेदार पोलिंग सेक्टर कामेटीयों का गठन कर संगठन को समय का ध्यान रखते हुये मजबूत करना सभी कि जिम्मेदारी है।

ज्ञात हो कि शरण चौधरी जबलपुर रीवा जोन बसपा प्रभारी बनाये जाने के बाद से ही हर जिले के गांव गांव जाकर जमीनी स्तर पर संगठन समीक्षा करने में लगे हुये हैं, और इसी तारतम्य में जोन प्रभारी का निवास आगमन हुआ।

उक्त कार्यक्रम में बसपा जिलाध्यक्ष राम कुमार चौधरी, सुरेंद्र चौधरी, मेहरचंद बघेल, उदय सिंह चौधरी, निवास विधानसभा अध्यक्ष चमन लाल चौधरी, विस सचिव मंशाराम चौधरी, दिनेश गोसाई, रतिराम रैदास के अलावा अन्य बसपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्देश | टीएल पत्रों का 7 दिन में निराकरण करने के निर्देश।

सीएम हेल्पलाइन पर बढ़ाएं फोकस

* बैठक में प्रभारी कलेक्टर ने दिये निर्देश।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिला योजना भवन में आयोजित बैठक में प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार राठौर ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि टीएल पत्रों को गंभीरता से लेते हुए निर्धारित समय में समुचित निराकरण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि टीएल के प्रकरणों में 7 दिवस के भीतर कार्रवाई पूरी कर उन्हें प्राथमिकता से क्लोज किया जाए।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की समीक्षा करते हुए प्रभारी कलेक्टर श्री राठौर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि वे अपनी विभागीय प्रगति का नियमित रिव्यू करें। दैनिक आधार पर लक्ष्य तय कर गति बढ़ाएं ताकि विभागीय रैंकिंग में सुधार हो। उन्होंने 50 दिवस और 100 दिवस से लंबित प्रकरणों को भी साथ-साथ निराकृत करने के निर्देश दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा में उन्होंने बताया कि मंगलवार को अभियान का समापन है। सभी संबंधित अधिकारी कार्यों की पूर्णता सुनिश्चित करें। बरसात में संक्रामक बीमारियों की आशंका को देखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग को आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए। पीएचई की टीमों से जल स्त्रोतों का क्लोरिनेशन कराने को कहा। प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में जिन विभागों में समितियां गठित होनी हैं, उन्हें कल तक समिति बनाकर जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

श्रम योगी मानधन योजना की प्रगति असंतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने समन्वित कार्ययोजना बनाकर लक्ष्य पूर्ण करने को कहा। सामान्य से कम वर्षा की आशंका के चलते 2 जुलाई को होने वाली ग्राम सभाओं में किसानों को कम पानी वाली फसलें अपनाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में पाण्डुलिपि मिशन, अपार आईडी, युवा संगम मेला, शासकीय भवनों में सोलर पैनल, पोषण वाटिका, उपार्जन उपरांत उठाव व भुगतान, नालियों की सफाई, 15 अगस्त की स्पीच संबंधी जानकारी भोपाल प्रेषण सहित अन्य विषयों की विस्तार से समीक्षा हुई। बैठक में अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, संयुक्त कलेक्टर हुनेन्द्र घोरमारे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, संस्कार बावरिया, समस्त एसडीएम, सीईओ जनपद पंचायत एवं तहसीलदार उपस्थित रहे।

आज मध्यरात्रि से 30 सितंबर तक रेत खनन पर पूर्णतः प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी राहुल नामदेव धोटे ने मानसून सत्र को देखते हुए मंडला जिले की सभी रेत खदानों में 30 जून 2026 की मध्यरात्रि से 30 सितंबर 2026 की मध्यरात्रि तक खनन कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित करने के आदेश जारी किए हैं। यह निर्णय पर्यावरण संरक्षण एवं वर्षाकाल के दौरान नदी तंत्र की सुरक्षा के उद्देश्य से जारी सस्टेनेबल सैंड माइनिंग मैनेजमेंट गाइडलाइंस-2016 के प्रावधानों के तहत लिया गया है।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि खदानों से रेत निकासी के लिए बनाई गई अस्थायी संरचनाएं, जैसे पुल, पुलिया, पहुंच मार्ग, मिट्टी, मुलम आदि को नदी के जल प्रवाह क्षेत्र से हटाना अनिवार्य होगा, ताकि वर्षा ऋतु में जल प्रवाह बाधित न हो। जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों एवं खदान संचालकों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

खबर संक्षेप

मुख्य सड़क से लेकर नर्मदा पुल पर पशुओं का डेरा, मिल रहा है बड़ी घटना का खुला संकेत

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। पशु मालिको की मनमानी व प्रशासन की उदासीनता का परिणाम है कि इस जहां तहां घूमने वाले आवारा पशु निश्चित तौर से आमजन के लिये बड़ी घटना का संकेत बनने से नही चूक पा रहे है। क्योंकि यह पशु जहां प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर के मार्गो पर अपना डेरा जमाये हुये पूरे मार्ग को अवरूद्व करने से नही चूक रहे है, वही दूसरी ओर समीपस्थ झिकोली नर्मदा पुल के बीचों बीच बैठने वाले पशुओं से किसी दिन कोई बड़ी घटना का संकेत मिलने से नही चूक पा रहा है? अक्सर देखा जाता है कि मुख्य मार्गो पर बैठने वाहन इन पशुओं के चलते जहां वाहन चालक दुर्घटना की शिकार होना जहां आम बात हो चुकी है। वही दूसरी ओर जिस प्रकार से नर्मदा पुल पर इस समय पशुओं का डेरा जमा हो रहा है उसके चलते आम लोगों के साथ साथ पशुओं के जीवन के लिये भी बड़ा खतरा पैदा हो रहा है, जब पुल के बीचों बीच पशुओं का डेरा होता है उस दौरान वाहन चालको का निकलना मुश्किल हो जाता है। क्योंकि उन्हें इस बात की दहशत होती है कि ऐसा न हो कि जब वह अपना वाहन निकाल रहे हो उसी दौरान कोई पशुअ आपस में डलते हुये वाहन पर न गिर जावे यदि ऐसा होता है तो निश्चित तौर से पुल के चलते वाहन चालक अपने वाहन सहित सीधे नर्मदाजी में गिरने से नही बच पायेगा, वही दूसरी ओर इस प्रकार से पुल के ऊपर पशुओं का जमावड़ा लगा रहने के कारण मूक पशुओं के जीवन को भी पूरा पूरा खतरा पैदा होने से नही बच पा रहा है। क्योंकि पशुओं के आपस में लड़ने की स्थिति में निश्चित तौर से पशुओं का नर्मदा में गिरने से बच पाना भी मुश्किल हो रहा है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो सांईखेड़ा उदयपुरा मार्ग प्रदेश स्तर का मार्ग माना जाता है जिस प्रकार दिन रात हजारों की संख्या में वाहनों का निकलना बना रहता है। मगर इसके बाद भी इस मार्ग पर पशुओं का डेरा होने के कारण निश्चित ही यह मार बड़ी घटना को आमंत्रण देने से नही चूक पा रहा है?

कांक्रीट मेटेरियल के दाम बढ़ने से हितग्राही परेशान

हरिभूमि्‌ यूज/सिहोरा/बोहानी। जिस प्रकार से केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की गई थी जिससे निश्चित ही उन गरीबों के चेहरों पर मुस्कान आते हुए देखी जा रही थी जो कभी सपने में अपने कच्चे मकानों को तोड़कर पक्के बनाने की सोच भी नही सकते थें, मगर इस योजना ने कच्चे आवासों में रहने वाले गरीबों को जो रहात प्रदान की गई है निश्चित ही उल्लेखनीय मानी जा रही है। मगर जब इस योजना की शुरूआत हुई थी उस समय भवन निर्माण करने वाली हर सामग्री की कीमत उतनी नही थी जो वर्तमान में चल रही है, मगर लगातार बढ़ रही महंगाई के दौरान में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्धारित की गई राशि से वर्तमान समय में गरीबों को अपने आवासों का निर्माण कर पाना मुश्किल दिखाई देने लगा है। इस समय देखा जावे तो शहर में बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आने वाल हितग्राहियों के आवासों का निर्माण कार्य चल रहा है और हितग्राही इस काम के लिए मिली राशि से बारिश का मौसम आने के पहले अपने आशियानो का निर्माण करने के लिए उतावले होते हुए देखे जा रहे है किन्तु देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से लोहा, सीमेन्ट व रेत सहित अन्य निर्माण सामग्री के दामों में लगातार हो रहे इजाफे से गरीब परेशानी में पड़ने से नही चूक रहे है, जिसके चलते हितग्राहियों का कहना है कि मकान बनाने में सबसे ज्यादा उपयोग होने वाले लोहे की कीमत में उछाल होने से जहां परेशानी हो रही है, वही दूसरी ओर शासन द्वारा निर्धारित की गई राशि में अपने आवासों का कार्य पूर्ण करना मुश्कि में आते हुए देखा जा रहा है।

विशेष संयोग के बीच सोमवार के दिन पड़ी पूर्णिमा के मौके पर क्षेत्र के नर्मदा तटों पर उमड़ा भक्तों का जन सैलाब, लोगों ने रेवा मैया में आस्था की डुबकी लगाते हुये किया पूजन अर्चन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

सदा ही क्षेत्रवासियों को अपना आर्शीवाद प्रधान करते हुये खुशहाल बनाने वाली माँ नर्मदाजी के भक्तों द्वारा वैसे तो हर माह पूर्णिमा को आस्था की डुबकी लगाने के लिये लोग माँ नर्मदा तटों पर पहुंचते है। मगर जिस तरह बीते हुये रविवार की रात यानि की ज्येष्ठ पूर्णिमा के मौके पर माँ नर्मदा भक्तों के बीच आस्था को जुनून देखने मिला है। वह निश्चित तौर से अनोखा था। विशेष संयोग के बीच अतिरिक्त माह यानि की डबल ज्येष्ठ के बीच सोमवार के दिन पूर्णिमा होने का विशेष महत्व के चलते लोग भक्ति में लीन होने से नही चूक पा रहे थे। वही दूसरी ओर देखा जावे तो इस समय पड़ रही तेज गर्मी के बीच लोगों को हलाकान करने से नही चूक रही थी। मगर गर्मी के बीच पसीना से हलाकान होने के बाद भी हजारों की संख्या में माँ रेवा मैया के भक्त इस तरह पैदल जाते हुये देखे जा रहे थे कि मौसम की मनमानी भी उनके दिलों में पैदा हुई माँ नर्मदाजी की भक्ति की भावना को रोकने में असफल रही और इसके बाद भी माँ नर्मदा के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की नगर की सड़को पर रात भर लाईन लगी हुई देखी गई। रात के समय इस तरह पैदल नर्मदाजी के स्नान करने जाने वाले लोगों में सिर्फ पुरूष ही नही बल्कि इस तरह छोटे छोटे छोटे बच्चे भी शामिल थें जो गाडरवारा शहर के साथ यहां से लगभग 20-25 किलो मीटर दूर से पैदल चलकर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये ककरा घाट जा रहे थें। इस तरह शहर के बीचों बीच से निकल रहे माँ के भक्तों को पानी टंकी सहित अन्य जगहो पर अलग अलग समाज सेवियों की टीम द्वारा चाय नास्ता के साथ सभी पैदल जा रहे भक्तों का स्वागत किया गया। इस संबंध में ग्राम मोहपानी निवासी माँ नर्मदा भक्त महिला ने चर्चा करते हुये बताया कि वह हर पूर्णिमा को पैदल चलकर नर्मदाजी के स्नान करने के लिये जाती है। इस तरह हम अपने घर से दोपहर दो बजे के लगभग पैदल निकलते है और शाम 7-8 बजे गाडरवारा पहुंच जाते है और रात भर पैदल चलते हुये सुबह 5 बजे माँ नर्मदाजी के ककरा घाट पहुंचकर स्नान करते हुये पूजन अर्चन करते है। हमे कभी भी न तो कोई थकान होती है और न ही कोई परेशानी। इसी प्रकार से पैदल नर्मदा स्नान करने जा रहे 14 वार्षिय बालिका का कहना था कि म अपने माता पिता सहित गांव के अन्य लोगों के साथ माँ नर्मदा जी के स्नान करने के लिये पैदल जाते है और इस तरह पूर्णिमा के मौके पर अनेको बार जा चुके है। मगर कभी कोई परेशानी नही हुई है। इस तरह उमस भरी तेज गर्मी कथा आसमान पर उमड़ते हुये काले बादलों बीच नर्मदाजी के स्नानों के लिये पैदल जा रही लोगों की भीड नगर व क्षेत्र में धर्म का अनोखा प्रस्तुत करने से नही चूक रही थें। इस तरह बीते हुये रविवार की रात नगर की सड़को पर हजारों की संख्या में माँ नर्मदा स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों के जत्थें रात भर निकलते हुये देखे गये तो दूसरी ओर सुबह होते ही क्षेत्र के गांवों में ट्रेक्टर ट्रालियों में सबार होकर भी हजारों लोग माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पहुंचे। इस तरह ज्यैष्ठ माह के समापन अवसर पर सोमवती पूर्णिमा के मौके पर नर्मदा तटों पर उमड़े हुये हुजूम के चलते मेला जैसा दृश्य दिखाई पड़ने से नही चूक रहा था। इस तरह का हाल क्षेत्र के सिर्फ ककरा घाट का ही नही बल्कि शोकलपुर, झिकोली, थरेरी, कोठिया, घघरौला खुर्द, लिंगा खुर्द, भटेरा घाट सहित अन्य घाटों का भी देखने मिला जहां पर हजारों की संख्या में माँ नर्मदा भक्तों ने नर्मदा तटों पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाते हुये पूजन अर्चन करते हुये अनेक जगहों पर भगवान सत्य नारायण जी की कथा संपन्न कराई गई तो अनेक लोगों द्वारा भंडारे के आयोजन भी किये गये। इस तरह हर सोमवती पूर्णिमा के मौके पर क्षेत्र के ककरा घाट सहित अन्य घाटों पर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की भीड़ की लाईने लगी रहती है। मगर इन भक्तों को उस दौरान परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है कि भीड़ के बीच से रात रात भर भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी मजी रहती है। पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर क्षेत्र के नर्मदा तटों को पहुंचने वाले मार्गो पर एक रात के लिये इस तरह भारी वाहनो की धमाचौकड़ी पर प्रतिबंध के लिये लगातार भक्तों द्वारा मांग उठाई जाने के बाद भी जिले के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा नजर अंदाज किये जाने से नम्रदा भक्तों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि गाडरवारा के आलवा क्षेत्र के ग्राम सूखाखैरी, गोटीटोरिया, सिंहपुर, बारहाबड़ा, महगंवा सहित अन्य गांवों से पैदल जाने वाले नर्मदा भक्तों को देखा जाा है कि वह अपनी थकान मिटाने के लिये मुख्य रास्ते पर ही बैठ जाते है और बैठे बैठे बच्चों को नींद आने की स्थिति में वह चंद मिनिटों के लिये रास्तों पर ही सो जाते है। इस स्थिति में पूर्णिमा की रात इन भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी किसी दिन इन माँ नर्मदाजी के भक्तों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से नही चूक पायेगी?

सड़क सोल्डरों में सुधार नहीं होने से बारिश के दिनों में सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं से नहीं किया जा सकता है इंकार...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि सड़को पर बढ़ रहे यातायात के चलते आये दिन दुघर्टनाएं घटित होना आम बात है और यदि सड़को में गड़बडी हो तो निश्चित तौर से घटनाओं में इजाफा होना आम बात मानी जाती है। कुछ इसी प्रकार की स्थिति इस समय गाडरवारा से पिपरिया की ओर हो या फिर गाडरवारा से कौड़िया मार्ग पर देखने मिल रही है। जहां पर वाहनों का आवागमन निरंतर बना रहता है। इस सड़क मार्ग के दोनों तरफ के सोल्डर के आभाव में सड़के जमीन से काफी ऊंची हो चुकी है। वही दूसरी ओर सोल्डर के बाजू में बड़े बड़े पत्थर पड़े रहते है साथ ही गड्ढे भी बन गऐ है, सड़क सोल्डर परेशानी का सबब बन गए है। वाहन क्रासिंग के समय इन सोल्डरों के कारण वाहन चालको को परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं छोटे वाहन चालक साइड देने के चक्कर में अपने वाहन सड़क से नीचे उतार लेते है जब वह सड़क पर अपने वाहन चढ़ाते है तो सोल्डर और गड्ढो के कारण उन्हे दुर्घटना का शिकार होना पड़ता है। पौड़ार तिरहा से लेकर गाडरवारा तक सड़क के दोनों ओर बड़ी बेकार स्थिति बनी हुई है जिसके कारण आये दिन सोल्डरो से कोई न कोई दुर्घटना होती है। वही सड़क निर्माण के साथ सोल्डर के बाजू की सतह सड़क से मिलायी जाती है जिससे की वाहन आसानी से सड़क से नीचे उतर कर पुनः सड़क पर आसानी से पहुंच सके। लेकिन इस मार्ग पर सोल्डरो को बाजू की सतह से नहीं मिलाया गया है जबकि निर्माण एजेंसी की जबाबदारी होती है कि वह सड़क से दोनों ओर सोल्डरों के बाजू में मिट्टी का पुराव कर उसे समतल करे लेकिन संबंधित निर्माण एजेंसी द्वारा इस कार्य पर ध्यान नहीं दिया गया जिसके चलते इतनी विकराल समस्या यहां पर खड़ी हो गई है। वही दूसरी ओर आने वाले दिनों में बारिश का दौर शुरू होगा तो इस तरह सड़क सोल्डर वाहन चालकों के लिये मौत का सायरन बजाने से नही चूकेगे जिसके चलते बारिश के दिनों में सड़क दुर्घटनाये बढ़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है...?

आटो चालकों की मनमानी पर अंकुश नहीं लगने से रेल यात्री सहित आम जन हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

नगर की बिगड़ी हुई यातायात व्यवस्था के सुधार को लेकर आये दिन होने वाली सरकारी बैठकों में मुद्दा उठने से नही चूकता है और अधिकारियों द्वारा नगर की बिगड़ी यातायात व्यवस्था में सुधार का पूरा भरोसा दिलया जाता है। मगर सुधार होते हुये दिखाई कभी नही देखा गया है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। क्योंकि नगर की यातायात व्यवस्था की सच्चााई आज भी जहां की तहां बनी हुई दिखाई दे रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के प्रमुख स्थल स्टेशन के समीप गौर किया जावे तो यहां पर यदि आटों चालकों की मनमानी इस प्रकार से हावी है कि जिसके चलते स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि स्टेशन पहुंचने वाले मार्ग पर आटों चालकों का जिस प्रकार से मुख्य सड़क पर कब्जा रहता है कि आम वाहन चालकों की बात तो दूर पैदल तक लोगों का निकलना भी मुश्किल हो जाता है। बताया जाता है कि अनेक आटों चालक स्टेशन से मुख्य नगर की ओर आने वाले मार्ग पर लगी हुई दुकानों के सामने अपने आटों इस प्रकार से काफी समय तक खड़े करे रहते है जिसके चलते संपूर्ण सड़क पर जाम की स्थिति बन जाती है, इस स्थिति में ट्रेन पकड़ने के लिए दो पाहिया वाहनों या फिर पैदल जाने वाले रेल यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है, स्थिति खराब उस समय और अधिक हो जाती है जब किसी ट्रेन के आने या फिर जाने का समय होता है जिसके चलते जब आम यात्रियों को ट्रेन पकड़ने के लिए किसी महिलाओं व अन्य परिजनों को दो पाहिया या चार पाहिया वाहन से लेकर जा रहे होते है उस समय मुख्य सड़क पर घंटों तक खड़े रहने वाले इन आटों के चलते ट्रेन पकड़ने के लिए जाने वाले आम लोगों के वाहनों का यहां से निकलना मुश्किल हो जाता है। इस प्रकार से आटों चालकों की मनमानी को लेकर न तो पुलिस प्रशासन के अधिकारी ध्यान दे रहे है और न ही अन्य अधिकारी जिसके चलते आम लोगों को प्रतिदिन परेशान होते हुए देखा जा रहा है। जबकि गौर करने वाले बात तो यह है कि सुबह व शाम के वक्त बीना ट्रेन से अनेक पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को इस मार्ग से निकलना होता है, इसके बाद भी इस प्रकार से आटों चालकों द्वारा की जा रही मनमानी उनके नजर में न आना पुलिस की उदासीन कार्य प्रणाली को उजागर करते हुए दिखाई दे रहा है..? कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के भारतीय स्टैट बैक के सामने का देखने मिल रहा है जहां पर मुख्य मार्ग पर ही लोगों द्वारा अपने वाहन खड़े करते हुये बैक के अंदर चले जाते है जिसके कारण यह मार्ग पूर्ण रूप से बंद की स्थिति में पहुंचने से नही चूक पा रहा है। मगर इसके बाद भी इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण लग रहा है कि शायद इस इस नगर का भगवान ही मालिक है...?

शिक्षा विभाग के अधिकारियों की चुप्पी का परिणाम, मापदंडो को दर किनार करते हुये गांव गांव खुल रही शिक्षण संस्थाओ में हो रहा अभिभावकों का शोषण...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

म.प्र.सरकार गांवों के शासकीय स्कूलों में बेहतर सुविधाएं देकर बच्चों को उनमें अध्ययन करने के लिए आकर्षित कर रही है, मगर जिन शासकीय शालाओं में शिक्षक नहीं है, उनमें योग्य शिक्षक, अतिथि शिक्षक, संविदा शिक्षक भेजे जा रहे है। बच्चियों को गणवेश से लेकर साईकिलों के साथ साथ छात्रवृति सहित भोजन व निःशुल्क पुस्तके भी दी जा रही हैं। किन्तु आश्चर्य का विषय है कि शहर के तरह ग्रामों के अभिभावकों पर भी अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ाने का जिस प्रकार से जुनून छा रहा है, उसका नतीजा है कि गांवों में भी अब अंग्रेजी माध्यम की धड़ल्ले से निजी शालाएं खुलती चली जा रही है जहां पर खुलेआम शासन द्वारा निर्धारित किये गये माप दंडो को दर किनारे करते हुए मनमानी फीस बसूली जा रही है। वही अक्सर देखा जाता है कि जब शिक्षा शत्र की शुरूआत होती है तो प्रवेश लेने वाले बच्चों को सीट फुल होने का

भय दिखाते हुए अधिक डोनेशन प्राप्त करने का फंडा अपनाया जाता है..? जिसके चलते देखा जा रहा है कि कल 1 जुलाई से नये शिक्षा सत्र की शुरूआत करने की तैयारिया पूरी कर ली गई है और इन स्कूलों द्वारा जहां तहां बैनर पोस्टर लगाते हुये अभिभावकों को लुभाने की शुरू कर भी करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? गौरतलब है कि अंग्रेजियत में डूबी इन निजी शालाओं की फीस महंगी तो होती ही है इसके अलावा इनमें पढ़ने वाले बच्चों से डोनेशन और अन्य मदों में राशि की बसूली कर अभिभावकों को आर्थिक शोषण किया जाता है..? अनेक निजी शालाएं तो ऐसी भी रहती है जो स्थापना के निर्धारित माप दंडों पर खरी नहीं होती, इनके पास न तो व्यवस्थित खेल मैदान होता और न ही पुस्तकालय, प्रयोग शालाा तथा अन्य सुविधाएं रहती है, वही पढ़ाने वाले शिक्षको की स्थिति देखी जावे तो वह खुद अग्रेजी नही जानते है। मगर बच्चों को अग्रेजी पढ़ाने की बात करते है..? जिन गांवों के अधिकांश निवासी ए बी सी डी नही जानते, उनमें नेटवर्क फैलाकर ये निजी स्कूल अंग्रेजी शिक्षा का महत्व बताकर अभिभावकों को जाल मंल फंसा लेते है और बच्चों के दाखिले के बाद शुरू हो जाती है वह अभिभावकोंके शोषण की कहानी जिसका पूरे साल अंत नहीं होता? उल्लेखनीय है कि महंगाई के इस दौर में किताबों, कापियों, बच्चों को गणवेश तथा अन्य शालेय सामग्री के दामों में इजाफा होने से बैसे ही बच्चों को शिक्षित कराने में अभिभावक परेशान रहते है, ऊपर से गांवों में आयी निजी स्कूलों की बाढ़ से शिक्षा-व्यवस्था और गड़बड़ होती चली जा रही है, मजेदार तथ्य है कि जहां एक तरफ अंग्रेजी मीडियम स्कूल चमचमाते इश्तहार तथा विज्ञापन प्रकाशित कर शासकीय स्कूलों से अभिभावकों को मोह भंग करते हुए अपना तामझाम फैला रहे है, वही जिले के शिक्षा विभाग की तरफ से शासकीय शालाओं की व्यवस्थाओं के संबंध में ऐसा कोई प्रचार अभियान नहीं चलाया जा रहा है, जो शासकीय शालाओं के प्रति अभिभावकों में अनुराग जाग सके।

न बारिश हो पा रही है और न ही बिजली मिल रही है, खेतों में कैसे पैदा कर पायेंगे माटी पुत्र अपनी फसलें ...

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। इस बात से इंकार जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपने बिलों की बसूली न की जावे वह तो बिजली बिलों की बसूली करने में कोई कसर न छोड़े मगर किसानों को बिजली भी तो उपलब्ध कराई जावे बगैर बिजली दिये हुये बिलों की बसूली क्या उचित है? क्योंकि इन दिनों बिजली विभाग द्वारा किसानों से बिलों की बसूली तो लगतार की जा रही है। मगर उन्हें मात्र चंद घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने से वह अपनी जिन्दगी कैसे संभाल पायेगे। क्योंकि गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कौड़िया, सिहोरा, सडूमर, भौरझिर सहित आसपास के अनेक गांवों के किसानो को सिचाई के लिये महज चंद घंटे बिजली ही नसीब हो रही हे इससे अंदाजा लगाया जा सकता हे की किसान कैसे अपनी फसलो की सिचाई कर पाते होगे...? इन ग्रामो के किसानो का कहना हे की उनके क्षेत्र की बिजली सफलाई जोड़ी गयी हे जो काफी लम्बी दूरी तय करती है जिसमें आये दिन खराबी होने के कारण बंद होने के बाद सुधार नही हो पाता है। वही बताया गया हे की रात में बमुश्किल चंद घंटे ही सिचाई के लिये बिजली मिल पाती हे जिससे खेत की एक शिफ्ट भी पूरी तरह से सिचाई नही हो पाती है जिसके चलते खेतो में धान सहित सोयाबीन फसल की बोनी करने की तैयारियों को लेकर सिंचाई की जरूरत महसूस की जा रही है। क्योंकि जून माह के अंत तक बारिश का दोर शुरू हो जाता था। इससे किसान अपने खेतों में आसानी से धान रोपित कर लेता था। मगर इस साल न तो बारिश हो रही है और न ही बिजली मिल रही है। इस हाल में किसानों के सामने दोहरी परेशानी

खड़ी होने से परेशान होते हुये देखा जा रहा है। जून माह का अंतिम तथा जुलाई माह का पहल पखबाडा धान व सोयाबीन की फसल को मुख्य माना जाता है। वही दूसरी ओर बारिश के आभाव में किसानों के खेतों में खड़ी गन्ना फसल को बचाने के लिये भी सिंचाई की जरूरत पड़ रही है। मगर पर्याप्त बिजली नही मिलने के कारण अन्नदाता को परेशान होते हुये देखा जा रहा है। क्षेत्र के अनेक किसानो ने अपनी जानकारी में बताया की यदि बारिश का दौर शुरू नही हुआ और हालात यही बने रहे तो किसान बर्बाद होने से नही बच पायेगे...? क्योंकि बारिश न होने के चलते इस समय पड़ रही गर्मी के दौरान सिंचाई की जरूरत है। मगर किसानों को मात्र चंद घंटे ही बिजली उपलब्ध होने से फसले खराब होते हुये नजर आने लगी है। इस तरह अनेक गांवों में बोल्टेज की समस्या के चलते किसानों के नलकूपों की मोटरे ही नही चल पा रही है अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि किसान अपने खेतों की सिंचाई कैसे कर पायेगे।

भैया घरे जाकर अंगूठा तो लगवा लेत है, मगर महिनों से राशन का कोई अता पता नहीं है...?

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर।

जहां एक ओर सरकार द्वारा गरीबों को भोजन प्रदान करने की सोच के चलते सस्ता अनाज प्रदान किया जा रहा है। मगर ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा प्रदान किये जाने वाला यह अनाज उन लोगों को मिल ही नही पा रहा है...? यह बात अलग है कि इस तरह राशन वितरण में होने वाली गफलत बाजी पर अंकुश लगाने के लिये सरकार द्वारा डिजीटल बनाते हुये पूरे प्रयास किये जा रहे है। मगर सरकार के प्रयाय यहां पर भी फेल होने से नही चूक रहे है। क्योंकि गरीबों के हक पर डाका डालने वाले इस डिजीटल व्यवस्था में भी गरीबों के बीच पहुंचकर उन्हे गुमराह करते हुये डाका डालने में पीछे नही है...? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवो में देखने मिल रहा है जहां पर गरीबों द्वारा खुद ही अपनी जुबानी सुनाते हुये बताया कि यहां के सेवा सहकारी समितियों के कर्ताधतर्ताओं द्वारा गरीबों को अनाज वितरण करने वाले व्यक्ति द्वारा घरों में पहुंचकर दो दो माह के राशन प्रदान करने की बात कहते हुये अंगूठा तो लगावा लिये जाते है। मगर जब हम राशन लेने के लिये पहुंचते है तो सोसाईटी

में ताला लटका रहता है। इस तरह एक गरीबो को कहना है कि पहले उससे तीन माह का राशन देने के बात कहते हुये अंगूठा लगवाया गया था इसके बाद दो माह का देने की बात कही गई मगर पांच माह से हमें राशन ही नही मिला। इसी तरह एक अन्य महिला ने भी अपनी जानकारी में बताया कि वह बीते हुये 6 माह से राशन प्राप्त करने के लिये चक्कर लगा रही है। मगर 6 माह यानि की आधे वर्ष से राशन नही मिल है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि इन गरीबों को भोजन प्रदान करने के लिये सरकार द्वारा करोड़ो रूपया खर्च किये जा रहे है। मगर जब उन तक पहुंच ही नही पा रहा है तो फिर सरकार का गरीबों को दो वक्त की रोटी देने का सपना कहा तक सफल हो पायेगा...? वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात यह भी है कि जिले से लेकर तहसील स्त की बागडोर संभालने वाले सक्षम अधिकारियों को आये दिन ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण करते हुये यह बात कही जाती है कि उनके द्वारा गांव गांव पहुंचकर गरीबों की बाते सुनी जा रही है और उनकी समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। मगर इस तरह की सच्चाई उजागर होने से निश्चित तौर से इन सक्षम अधिकारियों की कार्य शैली भी उजागर होने से नही चूक पा रही है कि आखिरकार वह अपने वाहनों में सरकारी डीजल जलाते हुये क्षेत्र का निरीक्षण करने तथा आम जन तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभाने के आलवा और कुछ नही कर रहे है...?

खबर संक्षेप

1 अक्टूबर तक अनूपपुर जिले की सभी रेत खदानों में उत्खनन रहेगा प्रतिबंधित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली ने मानसून सत्र के दौरान पर्यावरण संरक्षण एवं नदी तंत्र के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए जिले की सभी स्वीकृत रेत खदानों में रेत उत्खनन पर प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, जिले में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी 30 जून की मध्यरात्रि के पश्चात से 1 अक्टूबर तक सभी चिन्हित रेत घाटों पर खनन एवं रेत उत्खनन कार्य पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने बताया कि यह निर्णय राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आंकलन प्राधिकरण, मध्यप्रदेश, भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी सस्टेनेबल सैंड माइनिंग मैनेजमेंट गाइडलाइंस-2020 तथा भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा निर्धारित वर्षाकाल अवधि के अनुरूप लिया गया है। इन निर्देशों के अनुसार मानसून के दौरान नदी तंत्र एवं पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से रेत उत्खनन गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जाता है। आदेश के तहत जिले की सभी स्वीकृत रेत खदानों के संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वे खदानों से रेत निकासी के लिए बनाई गई अस्थायी संरचनाएं, जैसे अस्थायी पुल, पुलिया, सड़क निर्माण हेतु डाली गई मिट्टी, मुरूम एवं अन्य मलबे को नदी के जल प्रवाह क्षेत्र से हटाना सुनिश्चित करें, ताकि वर्षा ऋतु में जल प्रवाह बाधित न हो। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सभी रेत खदान संचालकों को निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ माहेश्वरी समाज ने मनाया महेश नवमीं का कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। माहेश्वरी समाज ने अपने वंशोत्पत्ति दिवस महेश नवमी को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया। संभाग स्तरीय कार्यक्रम 28 जून को होटल लेवल वन आहूजा मार्केट शहडोल में मनाया गया। माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ पुरुषों, महिलाओ एवं बच्चों ने सर्वप्रथम भगवान शिवजी की पूजा, अर्चना दीप प्रज्वलन कर की। तत्पश्चात सभी ने शिवजी की आरती कर्पूरगौरं करूणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारम। सदा वसन्तं हृदयारविन्दे भवं भवानि सहितं नमामि एवं ओम जय जगदीश हरे की। तत्पश्चात महिलाओं ने भजन की प्रस्तुति दी सुनता है सबकी विनती मेरा भोलेनाथ की शानदार प्रस्तुति दी। माहेश्वरी महिला मंडल से वनिता लखोटिया, एमएल मंत्री, कमल कुमार मूंदड़ा, आलोक खटोड़, अरविंद बियानी ने समाज को लेकर अपनी बात रखी एवं कहा कि माहेश्वरी समाज का स्लोगन सेवा, त्याग, सदाचार की भावना लेकर सभी आगे बढ़े। साथ ही सामाजिक समरसता, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत बनाने का संदेश भी दिया गया। समाज के वरिष्ठजनों ने महेश नवमी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से धार्मिक और सामाजिक मूल्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मध्य में ही जायकेदार नाश्ता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके पश्चात छोटे-छोटे नन्हे मुन्ने बच्चों का फैंसी ड्रेस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें हिमांश मूंदड़ा, प्रिंसा भंडारी, जानवी मूंदड़ा ने राजस्थानी परिधान में कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम में आदेश खटोड़, डॉक्टर मंजूला मूंदड़ा, दीपा पचीसिया, सुनीता मूंदड़ा, रितु मूंदड़ा ने भी अपनी बातों से समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने माहेश्वरी हैं हम पर जोरदार डांस किया जिसकी सभी ने सराहना की।दीपा पचीसिया एवं सुरभि लखोटिया ने भजन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज ने अपने प्रतिभाओं का सम्मान भी किया। जिसमें 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वालों का सम्मान किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से हिमांश मूंदड़ा, कनिका खटोड़, सेतु बियानी एवं अंश मूंदड़ा प्रमुख रहे। इसके साथ ही मानसी मूंदड़ा को गोल्ड मेडल मिलने पर उसका भी सम्मान किया गया।

कलेक्ट्रेट में समय.सीमा बैठक संपन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर कलेक्टर के निर्देश

डिंडौरी।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय.सीमा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओंए विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिलना चाहिए। उन्होंने लोक सेवा प्रबंधक को 5 जुलाई तक 50 दिनों से लंबित सभी प्रकरणों का विभागीय समन्वय से निराकरण कराने के निर्देश दिए।बैठक में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए कलेक्टर ने कहा कि जिले में बार.बार बिजली आपूर्ति बाधित होना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने हाईकोर्ट के न्यायाधीश के डिंडौरी प्रवास के दौरान भी बिजली बाधित रहने की घटना को गंभीर मानते हुए संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने

के निर्देश दिए।मत्स्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री मछुआ पालन योजना एवं स्मार्ट फिश पार्लर निर्माण कार्यों को एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर संचालन शुरू कराने तथा जनप्रतिनिधियों के माध्यम से उनका शुभारंभ कराने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने सभी एसडीएम को कृषि विभाग की मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं का प्रतिमाह निरीक्षण करने के निर्देश दिए। वहीं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ;एनआरएलएमद्ध के माध्यम से नर्मदा डेम घाट पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दोना.पत्तल की दुकान संचालित कराने के भी निर्देश दिए।टीबी विभाग की समीक्षा के दौरान कार्यों में लापरवाहीए फूड किट वितरण में कमी और टीबी नियंत्रण कार्यक्रम की धीमी प्रगति पर संबंधित अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को नॉन.अटेंड रखने वाले विभागों के विरुद्ध भी कार्रवाई करने को कहा।पशुपालन विभाग को 15 दिनों के भीतर कृत्रिम गर्भाधानए क्षीरधारा ग्राम अभियान तथा संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए टीकाकरण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी को छात्रवृत्तिए साइकिल एवं पाठ्यपुस्तक वितरण समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए।स्वच्छता प्रभारी जिला पंचायत को ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास एवं जनमन आवास सहित अन्य आवासीय योजनाओं के हितग्राहियों के लिए शौचालय निर्माण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरीए अपर कलेक्टर जेपी यादवए विभिन्न एसडीएमए जिला स्तरीय अधिकारी तथा विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता किसानों को हो रहा नियमित वितरण

डिंडौरी।

खरीफ सीजन 2026.27 को देखते हुए जिले में किसानों के लिए विभिन्न प्रकार के उर्वरकों का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित किया गया है। कृषि विभाग के अनुसार यूरियाए डीएपीए पोटाशए सुपर फॉस्फेट तथा कॉम्प्लेक्स उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार लगातार वितरण किया जा रहा है।29 जून 2026 की स्थिति में जिले में कुल 3211ण्22 मीट्रिक टन उर्वरकों का भंडार उपलब्ध है। इसमें 2052ण्07 मीट्रिक टन यूरियाए 443ण्05 मीट्रिक टन सुपर फॉस्फेटए 63ण्30 मीट्रिक टन पोटाशए 56ण्40 मीट्रिक टन डीएपी तथा 596ण्40 मीट्रिक टन विभिन्न ग्रेड के कॉम्प्लेक्स उर्वरक शामिल हैं।

कृषि विभाग द्वारा किसानों की मांग के अनुरूप उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। अब तक जिले में 6824ण्58 मीट्रिक टन उर्वरकों का वितरण किया जा चुका है। इसके लिए 24 हजार 683 टोकन जारी किए गएए जिनके माध्यम से 17 हजार 814 किसानों ने उर्वरकों का उठाव किया है।विभागीय अधिकारियों द्वारा उर्वरक भंडारण एवं वितरण व्यवस्था की नियमित निगरानी की जा रही हैए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।उप संचालक कृषि ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं एवं सहकारी समितियों से ही उर्वरक प्राप्त करें तथा संतुलित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग कर फसलों की उत्पादकता बढ़ाएं। विभाग का कहना है कि आगामी खरीफ सीजन के लिए जिले में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और वितरण व्यवस्था पूरी तरह सुचारू है।

जिले में पशुओं के लिए विशेष टीकाकरण अभियान जारी

डिंडौरी।

जिले में पशुओं को संक्रामक रोगों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग द्वारा विशेष टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पशुओं का टीकाकरण करने के साथ.साथ पशुपालकों को वर्षा ऋतु में फैलने वाले संक्रामक रोगों से बचाव के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है।पशु चिकित्सकों ने बताया कि बरसात के मौसम में संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में समय पर टीकाकरण कराने से पशुओं को गंभीर रोगों से बचाया जा सकता है और पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

पशुपालन विभाग के अनुसार जिले में मुखरी रोग के प्रतिबंधात्मक टीकाकरण के लिए 4 लाख 78 हजार पशुओं का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। भारत पशुधन पोर्टल पर 28 जून 2026 तक 48 हजार 731 पशुपालकों के 3 लाख 19 हजार 688 पशुओं के टीकाकरण की जानकारी अपलोड की जा चुकी हैए जो निर्धारित लक्ष्य का 78ण्5 प्रतिशत है। इस उपलब्धि के साथ डिंडौरी जिला संभाग में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है।विभाग द्वारा पशुपालकों के आधार अपडेशन का कार्य भी लगातार किया जा रहा है। अब तक 62 हजार 885 पशुपालकों का आधार अपडेट किया जा चुका हैए जबकि शेष कार्य 31 जुलाई 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।इसके अलावा वर्षा ऋतु में फैलने वाले गलघोंटू रोग की रोकथाम के लिए भी पशुओं का टीकाकरण किया जा रहा है। पशुपालन विभाग ने सभी पशुपालकों से अपने पशुओं का नियमित टीकाकरण कराने तथा किसी भी प्रकार के रोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटतम पशु चिकित्सालय से संपर्क करने की अपील की है।

समनापुर के ग्राम झांकी में जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति लोगों को किया जागरूक

डिंडोरी

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशन में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड समनापुर में 25 जून से 30 जून तक बावड़ी उत्सव कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम झांकी के कुंडुल घाट ;खेरमाई मंदिर के समीपद्ध में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान एवं ब्लॉक समन्वयक मंजुलता राव के मार्गदर्शन में भव्य बावड़ी उत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के तिलक.वंदन एवं स्वागत के साथ हुआ। इसके बाद वसुंधरा भजन मंडलीए झांकी द्वारा भजन.कीर्तन प्रस्तुत किए गए। श्रद्धालुओं ने ग्राम के आराध्य देव ठाकुर देव एवं खेरमाई मंदिर में जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख.समृद्धि तथा उत्तम वर्षा की कामना की। ब्लॉक समन्वयक मंजुलता राव ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा 19 मार्च से 30 जून तक संचालित जल

गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदीए तालाबए कुएंए बावड़ियों सहित विभिन्न जल स्रोतों की साफ.सफाईए गहरीकरण एवं जनजागरूकता के व्यापक कार्यक्रम संचालित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभियान में जिला प्रशासनए मध्यप्रदेश जन अभियान परिषदए नवांकुर संस्थाओंए परामर्शदाताओंए प्रस्फुटन समितियोंए सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थियोंए समाजसेवियों तथा ग्रामीणजनों का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने संदेश को ध्यानपूर्वक सुनते हुए वर्षा जल संरक्षणए जल स्रोतों के संवर्धन एवं अधिक से अधिक जल को धरातल में पहुंचाने का सामूहिक संकल्प लिया।कार्यक्रम के समापन पर समरसता भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन दीपक कुमार वर्मे ने किया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच गणेश सिंह मार्कोए जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहानए विकासखंड समन्वयक मंजुलता रावए नवांकुर संस्था प्रभारी वेद प्रकाशए दीपक कुमार वर्मेए रामकुमार मरकामए सूरज प्रसाद ताम्रकारए परसराम ठाकुरए मेंटर दिलीप कुमार बर्मनए केशव ठाकुरए शिवकुमार ठाकुरए शिशु बड़गैयाए वार्ड पंच सुमेर सिंह धुर्वेए संस्था उपाध्यक्ष सुनील परस्तेए सह सचिव इंद्रवती यादवए नवल परस्तेए खिलेश सैयामए सकुन पड़वार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बरसात से पहले पीएचई विभाग अलर्ट, शाहपुरा. मेहंदवानी में पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन शुरू

डायरिया सहित जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए चलाया जा रहा विशेष अभियान

शाहपुरा। बारिश के मौसम में जलजनित बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी ;पीएचईद्ध विभाग ने शाहपुरा एवं मेहंदवानी विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर ष्डायरिया रोको अभियानष् शुरू कर दिया है। प्री.मानसून तैयारियों के तहत सभी पेयजल स्रोतों का क्लोरीनेशन कराया जा रहा हैए ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।पीएचई विभाग द्वारा हैंडपंपए नल.जल योजनाओं के जल स्रोतए सार्वजनिक कुओं तथा अन्य पेयजल स्रोतों में निर्धारित मानकों के अनुसार क्लोरीन का उपयोग किया जा रहा है। साथ ही मैदानी अमले को जल स्रोतों की नियमित निगरानी करने और आवश्यकता पड़ने पर दोबारा क्लोरीनेशन कराने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान

पूरे वर्षाकाल के दौरान निरंतर जारी रहेगा।

बारिश के दौरान जल स्रोतों के दूषित होने से डायरियाए हैजाए टाइफाइडए पेचिश सहित अन्य जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसी आशंका को देखते हुए विभाग ने समय रहते एहतियाती कदम उठाए हैंए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में बीमारियों के प्रसार को प्रभावी रूप से रोका जा सके।पीएचई विभाग ने नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि केवल स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल का उपयोग करेंए पानी को साफ बर्तनों में ढंककर रखें तथा घरों के आसपास स्थित जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखें। यदि किसी क्षेत्र में पेयजल की गुणवत्ता को लेकर शिकायत हो अथवा डायरिया जैसे लक्षण दिखाई दें तो तत्काल स्वास्थ्य विभाग या पीएचई विभाग को सूचना दें।विभाग के अनुसार क्लोरीनेशनए नियमित जल गुणवत्ता निगरानी एवं जनजागरूकता के माध्यम से वर्षा ऋतु में जलजनित बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। इसी उद्देश्य से शाहपुरा और मेहंदवानी विकासखंड के सभी गांवों में इस अभियान को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जा रहा है।

अमलडीहा में बावड़ी उत्सव के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन

डिंडौरी। ग्राम अमलडीहा स्थित टूटेश्वरधाम अमरकुंड में सोमवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के तृतीय चरण के अंतर्गत बावड़ी उत्सव का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया के निर्देशन एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना रहा।कार्यक्रम की शुरुआत

अमरकुंड एवं आसपास के कुओं की साफ.सफाई से हुईए जिसमें ग्रामीणों ने श्रमदान कर सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके बाद कलश यात्रा निकाली गई तथा 11 दीप प्रज्वलित कर घाट का पूजन.अर्चन किया गया। रंगोली सजाकर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री धर्मेंद्र चौहान एवं विकासखंड समन्वयक श्री भानुप्रताप मरावी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम के साथ 19 मार्च 2026 से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान.2026 का समापन किया गया।इस अवसर पर आयोजित जल संगोष्ठी में वक्ताओं ने जल संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि कुएंए तालाबए नदियों और झरनों जैसे पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण एवं नियमित साफ.सफाई समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता और सामूहिक प्रयासों से ही जल संकट का प्रभावी समाधान संभव है। साथ ही अधिक से अधिक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

कार्यक्रम में स्थानीय वरिष्ठ महंत श्री राम सिंह परस्तेए श्री हीरा सिंह मरावीए सामाजिक कार्यकर्ता श्री टीकाराम परस्ते सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा नवांकुर संस्था चंदना के अध्यक्ष श्री नर्मदा प्रसाद बनवासीए सचिव श्री नरबद सिंह मरावीए श्री दिलीप कुमार टांडियाए नवांकुर उमरिया के अध्यक्ष श्री जगदीश सिंह श्यामए ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति भीमकुंडी के अध्यक्ष श्री सुखीराम मरावी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की।ग्राम बरबसपुर की भजन मंडली ने भजन.कीर्तन की मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में विकासखंड समन्वयक ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए अल्पाहार एवं भोजन वितरण के साथ आयोजन का समापन किया।

आर्थिक तंगी से जूझ रही मां-बेटी ने आम के पेड़ से फांसी लगाकर की खुदकुशी

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

जिले के कोतमा थाना क्षेत्र के खमरोध गांव में रविवार शाम एक हदयविदारक घटना सामने आई, जहां मां बेटी की आत्महत्या के बाद सुसाइड नोट सामने आया है। जिसमें आर्थिक तंगी से मां बेटी परेशान बताई जा रही है। जिसके कारण मां और बेटी ने एक ही आम के पेड़ की दो अलग-अलग डालियों पर रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शवों का पंचनामा तैयार कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 42 वर्षीय मीरा रैदास और उनकी 24 वर्षीय पुत्री पूनम रैदास के रूप में हुई है। मीरा रैदास अपने पति से अलगाव के बाद मायके में रहकर बेटी का पालन-पोषण कर रही थीं। पति से भरण-पोषण राशि दिलाए जाने का मामला न्यायालय में विचाराधीन था। बताया गया कि रविवार शाम लगभग चार बजे दोनों घर से कुछ दूरी पर स्थित एकांत स्थान में पहुंचे और आम के पेड़ की दो अलग-अलग डालियों पर रस्सी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। स्थानीय ग्रामीण के शव देखे जाने के बाद सूचना ग्रामीणों के साथ पुलिस को दी। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आर्थिक तंगी से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। जांच में सामने आया है कि रविवार सुबह मां-बेटी कोतमा बाजार गई थीं, जहां से उन्होंने रस्सी खरीदी थी। इसके बाद गांव

लौटकर दोनों ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। मौके से पुत्री द्वारा लिखा गया एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें लिखा है कि हम किसी पर बोझ नहीं बनना चाहते। पुलिस ने सुसाइड नोट को जब्त कर लिया है और उसकी जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि पति पत्नी से लंबे समय से अलग रह रहा है, कोर्ट से उसके भरण पोषण दिए जाने का मामला चल रहा है। पति का पत्नी से अलग होने का कारण पत्नी की मानसिक स्थिति बेहतर नहीं होना बताया गया है, जिसके कारण पति वर्तमान में जमुना में रहता है और पत्नी मायका खमरोध में रहती थी। बेटी पूनम ग्रेजुएट थी, और कंप्यूटर कोर्स कर रही थी। पति प्रायवेट जॉब के साथ खेती-बाड़ी का काम करता है। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं तथा आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत विवेचना जारी है।

घायल गौवंश के लिए बना सहारा, नंदी गौ सेवा ने उपचार हेतु शहडोल पहुंचाया

शहपुरा

सड़क दुर्घटनाओं में घायल होकर तड़प रहे बेजुबान पशुओं के लिए नंदी गौ सेवा शाहपुरा लगातार सहारा बन रही है। सोमवार को भी संस्था के गौसेवकों ने मानवता और जीव प्रेम की मिसाल पेश करते हुए सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई एक गाय का रेस्क्यू कर उसे बेहतर उपचार के लिए शहडोल स्थित नंदी गौ सेवा धाम पहुंचाया।जानकारी के अनुसार सोमवार को एक सड़क दुर्घटना में गाय का एक पैर बुरी तरह टूट गया था। गंभीर रूप से घायल गाय सड़क किनारे दर्द से तड़प रही थी। घटना की सूचना मिलते ही नंदी गौ सेवा शहपुरा की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। गौसेवकों ने स्थानीय लोगों के सहयोग से घायल गाय का सुरक्षित रेस्क्यू किया और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। गाय की हालत गंभीर होने के कारण बिना समय गंवाए उसे विशेष वाहन से शहडोल स्थित नंदी गौ सेवा धाम भेजा गयाए जहां पशु चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा है।

नंदी गौ सेवा शाहपुरा लंबे समय से घायलए बीमार और बेसहारा गौवंश की सेवा में निरंतर कार्य कर रही है। संस्था को जब भी किसी घायल पशु की सूचना मिलती हैए उसकी टीम तत्काल मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू करती है और आवश्यकता अनुसार उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करती है। संस्था के इस सेवा कार्य की क्षेत्रभर में सराहना की जा रही है।इस सेवा अभियान में नंदी गौ सेवा के अमित रजकए हिमांशु अग्रवाल एवं उनकी समस्त गौ सेवा टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ने घायल गाय को सुरक्षित उपचार केंद्र तक पहुंचाकर एक बार फिर जीव सेवा और मानवता का परिचय दिया ।नंदी गौ सेवा के सदस्यों ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि यदि कहीं भी कोई गाय या अन्य बेजुबान पशु सड़क दुर्घटना में घायल दिखाई दे तो उसे असहाय न छोड़ेंए बल्कि तत्काल गौ सेवा समिति या संबंधित विभाग को सूचना दें। साथ ही गौसेवा के कार्यों में आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग देने का भी आग्रह कियाए ताकि घायल और असहाय पशुओं का समय पर उपचार कर अधिक से अधिक बेजुबान जीवों का जीवन बचाया जा सके।

खबर संक्षेप

बरगद पर सात फुट लंबा सांप

तेंदूखेड़ा इन दिनों उमस भरी गर्मी के चलते जहां आम जनजीवन अस्त-व्यस्त बना हुआ है वहीं जीव जंतु भी बिलों से निकल कर यहां वहां भाग रहे हैं। ऐसा ही उदाहरण विगत दिवस तेंदूखेड़ा के पुजारी मुहल्ला में स्थित एक विशाल बरगद के वृक्ष पर देखने को मिला जहां एक सात फुट लंबा सांप दिखा।जिसे देखकर लोगों में कौतूहल का विषय बन गया। सुरक्षा की दृष्टि से लोगों ने जानकार लोगों को बुलाकर सांप को पकड़वा कर उसे सुरक्षित जंगल में छुड़वाकर राहत की सांस ली।

रिश्वतखोरी पर बिजली कंपनी का जीरो टॉलरेंस, सहायक अभियन्ता निलंबित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत दमोह वृत के उत्तर संभाग के हटा उपसंभाग में पदस्थ सहायक अभियंता (संचालनध्संधारण) राजेश कुमार सहाय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। श्री सहाय को 25 जून 2026 को लोकायुक्त, सागर की टीम द्वारा रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया था। अधीक्षण अभियंता (संचालनध्संधारण), वृत्त दमोह से प्राप्त प्रतिवेदन एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कंपनी प्रबंधन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए निलंबन आदेश जारी किया है। निलंबन अवधि में श्री सहाय का मुख्यालय मुख्य अभियंता (शहडोल) कार्यालय नियत किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार, अनियमितता एवं कदाचार के मामलों में किसी भी अधिकारी अथवा कर्मचारी के प्रति कोई रियायत नहीं बरती जाएगी।

पल्स पोलियो अभियान में मिलन समिति की सहभागिता

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। रिप्टापार तिलक वार्ड में पल्स पोलियो अभियान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी जीरो से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो दवा पिलाने में सहभागिता दी एवं बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु नवल किशोर कोरी कलार समाज अध्यक्ष नीरज राय मिलन समिति के अध्यक्ष संजय राय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कांति कोरि के द्वारा बच्चों को पोलियो दवा पिलाई गई । इसमें सभी का सहयोग रहा माता-पिता से आग्रह किया गया है कि अपने बच्चों को अपनी इच्छा से पल्स पोलियो अभियान में ज्यादा से ज्यादा सहयोग करें।

नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने तथा समाज में नशा मुक्त वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरसिंहपुर के कला पथक दल एवं पुलिस प्रशासन द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के तहत जनपद पंचायत नरसिंहपुर की ग्राम पंचायत सिंहपुर और जनपद पंचायत गोटेगांव की ग्राम पंचायत श्रीधाम सहित विभिन्न विद्यालयों में नशा मुक्ति से संबंधित संवाद एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

नहीं रहे लखन अग्रवाल

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस नगर के प्रतिष्ठित चौधरी परिवार के सतीश अग्रवाल के ज्येष्ठ पुत्र एवं शिवशंकर अग्रवाल गोलू के बड़े भाई लखन अग्रवाल का लंबी बीमारी के उपरांत दुखद निधन हो गया। जिन्हें नगर के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी।

सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों में नुक्कड़ सभाओं का आयोजन

साइबर ठगी के विभिन्न तरीकों से बचाव की दी गई जानकारी

हरिभूमि न्यूज-नरसिंहपुर। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संचालित सेफ क्लिक-2.0ँ अभियान के अंतर्गत नरसिंहपुर पुलिस द्वारा जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं जनजागरूकता के उद्देश्य से व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

सार्वजनिक स्थलों एवं बाजारों में नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से किया गया जागरूक अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सार्वजनिक स्थलों, बाजारों, ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों का भ्रमण कर आमजन को साइबर अपराधों से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया। इस दौरान फिशिंग लिंक, फर्जी एसएमएस एवं ई-मेल, डिजिटल अरेस्ट, यूपीआई फ्रॉड, ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी, सोशल मीडिया अपराध, फर्जी केवायसी अपडेट, ऑनलाइन जॉब फ्रॉड एवं अन्य साइबर अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

साइबर सुरक्षा संबंधी पंपलेटों का वितरण

पुलिस टीमों द्वारा साइबर सुरक्षा संबंधी पंपलेट वितरित कर नागरिकों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, मजबूत पासवर्ड एवं टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफ-ए) अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही ओटीपी, जीवीवी, यूपीआई पिन एवं अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की समझाइश दी गई।

नागरिकों को दिलाई गई साइबर सुरक्षा शपथ

अभियान के दौरान उपस्थित नागरिकों एवं विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा शपथ दिलाई गई। शपथ के माध्यम से उन्होंने सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज के अन्य लोगों को भी साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

नरसिंहपुर पुलिस की अपील

नरसिंहपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अज्ञात कॉल, लिंक, स्रूस अथवा ई-मेल पर बिना सत्यापन के विश्वास न करें। किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन पर कॉल करें तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित भविष्य साइबर सुरक्षा अपनाएं, साइबर अपराधों से स्वयं भी बचें और दूसरों को भी जागरूक करें।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत छात्राओं से आवेदन आमंत्रित

बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं एवं पुलिस भर्ती की कराई जाएगी तैयारी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग नरसिंहपुर ने बताया कि संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग भोपाल के निर्देशानुसार बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत महिला सशक्त वाहिनी अभियान के तहत कक्षा 12 उत्तीर्ण बालिकाओं को पुलिस भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की लिखित एवं शारीरिक परीक्षा की निःशुल्क तैयारी कराई जाएगी। इस वर्ष का प्रशिक्षण के लिए कक्षाएं माह जुलाई 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने इस प्रशिक्षण के लिए पहले आए- पहले पाए के आधार पर कुल 100 बालिकाओं का पंजीयन किया जाएगा। जिले की इच्छुक छात्राएं कार्यालय कलेक्टर के कक्ष क्रमांक 77 में स्थित जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास नरसिंहपुर के कार्यालयीन समय में पंजीयन करा सकती हैं। यह प्रशिक्षण पूर्णत निशुल्क रहेगा। लिखित परीक्षा की तैयारी शासकीय महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर के सभाकक्ष में सोमवार से शनिवार तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर एक बजे तक कराई जाएगी। इसमें छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रम अनुसार सामान्य गणित, सामान्य विज्ञान, सामान्य बुद्धिध्तर्कशक्ति एवं सामान्य अंग्रेजी विषयों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। फिजिकल परीक्षा की तैयारी भी शासकीय महिला महाविद्यालय नरसिंहपुर स्थित ग्राउंड में कराई जाएगी। इसमें दौड़, गोला फेंक, लंबी कूद सहित विभिन्न खेल गतिविधियां जैसे क्रिकेट, फुटबॉल एवं शतरंज का अभ्यास कराया जाएगा। साथ ही छात्राओं को 15 अगस्त एवं 26 जनवरी पर आयोजित जिला स्तरीय शौर्य दल परेड में भी शामिल कराया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को निःशुल्क अध्ययन सामग्री, स्टेशनरी एवं पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी। समय-समय पर जिले के विभिन्न अधिकारी भी छात्राओं को यूपीएससी एवं एमपीपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेंगे, जिससे गरीब एवं साधनहीन परिवारों की अधिक से अधिक बालिकाएं शासकीय सेवाओं में चयनित होकर सशक्त बन सकें।

समय सीमा बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, लंबित शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश

निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किए जाए

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक में विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, सीएम मॉनिट, आयोग से प्राप्त पत्रकों सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में सीईओ ने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन की 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने तथा बिना निराकरण शिकायतों को उच्च स्तर पर अग्रेषित नहीं करने के निर्देश दिए। लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी आवेदनों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सीएम मॉनिट, सीएम हाउस एवं विभिन्न आयोगों से प्राप्त पत्रों पर त्वरित कार्रवाई कर समय में प्रतिवेदन भेजने के निर्देश दिए। श्रम विभाग की संबल योजना के अंतर्गत पंजीयन एवं अनुग्रह सहायता राशि से संबंधित आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। बैठक में डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में संचालित नल-जल योजनाओं की प्रगति तथा पंचायतों को उनके हैंडओवर की स्थिति की भी समीक्षा की गई। इसके अलावा समग्र ई-केवायसी, 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड बनाने, महिला एवं बाल विकास विभाग, जनजाति कार्य विभाग तथा जिले में मूंग उपार्जन सहित विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सभी विभागों को शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

निरंतर अभ्यास और नियमित सत्संग से नई राह मिलती है

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। यह सम्पूर्ण जगत परमात्मा मय है किंतु मनुष्य को भ्रम से अपनी अपनी भावना के अनुसार नाना रूप में दिखता है। जैसे एक महान पुरुष किसी की दृष्टि में महात्मा किसी की दृष्टि में अभिमानी किसी की दृष्टि में लोभी पाखंडी तो किसी की दृष्टि में भोगी दिखता है।भगवान भक्तों को ईश्वर रूप में दुष्टों को काल स्वरूप व योगियों को ब्रह्म के स्वरूप में दिखता है।अतरू हमे अपने पवित्र भाव और भक्तिमय नजरिये से परमात्मा को देखना चाहिए।परमात्मा को अपने मन मंदिर और चरित्र में उतारना चाहिए।निरंतर अभ्यास और नियमित सत्संग से नई राह मिलती है। उक्ताशय के विचार साहित्यकार अशोक त्रिपाठी ने बरिया बारे हनुमान मंदिर परिसर में बाल्मीकि रामायण कथा सत्संग में व्यक्त किये। पुराण वेत्ता पंडित जगदीश दुबे ने राजा त्रिशंकु और राजा अम्बरीष की कथा श्रोताओं को सुनाते हुए कहा कि हमें निस्वार्थ भाव से सेवा और परोपकार में तत्पर रहना चाहिए। धर्माचरण करते हुए हमेशा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। गुरुवर श्री दुबे ने राजा हरिश्चंद्र और राजा शिबि के त्याग धर्म और जनसेवा के भावों को भी उभारा। आयोजन में पं गणेश कुमार चतुर्वेदी अरुण कुमार खरे डा महेश त्रिपाठी डा केदार गुप्ता प्रेमशंकर राघव धनपत तिवारी सोमनाथ पटेल प्रेमशंकर सोनी बी एस मेहरा ऋषि महोबिया गोविंद नेमा मोहन यादव कृष्ण कुमार शुक्ला सहित अनेक वरिष्ठ जन उपस्थित थे।अंत में आरती और प्रसाद वितरण हुआ।

हाईटेक हुआ गोटेगांव, ATM से कैश निकालने पहुंची गाय, वायरल तस्वीर ने खोली सिस्टम की कलई

गार्ड विहीन ATM बना गौशाला, आवारा पशुओं के आगे प्रशासन नतमस्तक

गोटेगांव- एक ओर सरकारें और नगर निकाय 'गौ रक्षा' और 'आवारा पशुओं के प्रबंधन' के लंबे-चौड़े दावे करते हैं, वहीं दूसरी ओर गोटेगांव से आई एक तस्वीर इन दावों की पोल खोलती नज़र आ रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीर में नगर के व्यस्त रिपटा रोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक (SBI) के एटीएम बूथ के अंदर एक गाय खड़ी दिखाई दे रही है। तस्वीर में ऐसा प्रतीत होता है मानो वह कतार में खड़े होकर पैसे निकालने की मुद्रा में मशीन को देख रही है। यह नज़ारा न केवल हास्यास्पद है, बल्कि शहर की प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल भी खड़े करता है। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि एटीएम बूथों पर सुरक्षा गार्ड्स की तैनाती नहीं है, जिससे कोई भी जानवर आसानी से प्रवेश कर सकता है। इससे एटीएम की सुरक्षा के साथ-साथ वहाँ मौजूद लोगों के लिए भी खतरा

पैदा हो सकता है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस गाय को वहाँ से कैसे और किसने हटाया। यह तस्वीर गोटेगांव नगर में आवारा पशुओं की बेकाबू समस्या को भी उजागर करती है। शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर घूमते पशु न केवल यातायात बाधित करते हैं, बल्कि अब एटीएम जैसे संवेदनशील स्थानों पर भी नज़र आने लगे हैं। यह दर्शाता है कि नगर प्रशासन इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। इस तस्वीर के वायरल होने के बाद नागरिकों में रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि यह तस्वीर नगर की दुर्दशा और प्रशासनिक लापरवाही का सटीक चित्रण है। लोग प्रशासन से आवारा पशुओं के प्रबंधन और एटीएम की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं। यह घटना एक गंभीर चेतावनी है। यदि प्रशासन जल्द ही ठोस कार्रवाई नहीं करता, तो ऐसी घटनाएं भविष्य में बड़ी दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। गोटेगांव में अब 'डिजिटल इंडिया' के साथ-साथ आवारा पशुओं के 'हाईटेक' अंदाज़ की चर्चा ज़ोरों पर है।

बिजली चोरी की जांच के दौरान सहायक लाइनमैन पर हमला, लाठी से दो बार किए वार, मामला दर्ज

करकबेल/गोटेगांव, नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के करकबेल वितरण केंद्र में पदस्थ एक सहायक लाइनमैन पर ड्यूटी के दौरान कथित रूप से किसान द्वारा लाठी से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में रोष व्याप्त है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सहायक लाइनमैन बसंत लोधी अपने अधिकारी तथा दो अन्य कर्मचारियों के साथ ग्राम खापा में बिजली चोरी की शिकायतों की जांच करने पहुंचे थे। विभाग को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में कई स्थानों पर अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया जा रहा है।जांच के दौरान टीम जब मूलचंद नामक व्यक्ति के खेत पर पहुंची तो वहां कथित रूप से पंप और मकान में बिना वैध व्यवस्था के बिजली का उपयोग होता मिला। कर्मचारियों ने संबंधित व्यक्ति से विद्युत कनेक्शन एवं बिजली बिल की जानकारी मांगी। इसी बात को लेकर विवाद हो गया।आरोप है कि विवाद के दौरान किसान ने लाठी उठाकर सहायक लाइनमैन बसंत लोधी पर लगातार दो बार हमला कर दिया, जिससे उन्हें चोटें आईं। घटना के बाद घायल कर्मचारी को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने आरोपी किसान के विरुद्ध प्राणघातक हमले सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं बयानों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। विभागीय कर्मचारियों का कहना है कि ड्यूटी के दौरान विद्युत कर्मियों पर बढ़ रहे हमले गंभीर चिंता का विषय हैं और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है तथा घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

हरसिद्धि मंदिर पहुंच मार्ग पर कटीली झाड़ियां

वाहन चालकों को हो रही परेशानी

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा क्षेत्र का प्रतिष्ठित जन आस्था का केंद्र बन चुका हरसिद्धि मंदिर राष्ट्रीय राजमार्ग 45 तरफ से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण पहुंच मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। सड़क के दोनों किनारों पर अत्यधिक मात्रा में कटीली झाड़ियों ने न केवल सड़क को संकरा कर दिया है।बल्कि वाहन चालकों के लिए भी मुसीबत खड़ी कर दी है। विशेषकर चार पहिया वाहनों को क्रॉसिंग के दौरान काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने बताया कि यह सड़क हरसिद्धि मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ एनएच 45 तक पहुंचने के लिए एक प्रमुख रास्ता है। लेकिन लंबे समय से सड़क किनारे की झाड़ियों की छंटाई न होने के कारण स्थिति विकट हो गई है। झाड़ियाँ सड़क पर फैल गई हैं।

वाहन चालकों का कहना है कि जब दो चार पहिया वाहन आमने-सामने से आते हैं। तो उन्हें पास देने के लिए झाड़ियों के बेहद करीब से गुजरना पड़ता है। ऐसे में कटीली झाड़ियों से वाहनों पर स्क्रेच आने और शीशे टूटने का खतरा तो रहता ही है। साथ ही वाहन अनियंत्रित होकर हादसे का शिकार भी हो सकते हैं। क्षेत्रवासियों ने स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि इस समस्या का शीघ्र निराकरण किया जाए। उन्होंने जल्द ही सड़क के दोनों ओर फैली कटीली झाड़ियों की सफाई और छंटाई करवाने का आग्रह किया है ताकि इस मार्ग पर आवागमन सुगम और सुरक्षित हो सके।